- प्रस्तावित वक्तागण -

प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्र
पूर्व कुलपति, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रोफेसर अनिल दत्त मिश्रा
डायरेक्टर, सुलभ इंटरनेशनल

प्रोफेसर आनंद कुमार
सेवा निवृत्त प्राध्यापक, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई-दिल्ली

डॉ अरविन्द कुमार मिश्रा
प्राध्यापक, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई-दिल्ली

प्रोफेसर मनोज कुमार
महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रोफेसर आर.पी. द्विवेदी
प्राध्यापक, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)

डॉ तीर्थेश्वर सिंह
प्राध्यापक, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक म.प्र.

प्रोफेसर पुष्पा मोटियानी
विभागाध्यक्ष, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद

प्रोफेसर एम.पी. शर्मा
उदयपुर

प्रोफेसर बालकृष्ण कछवाहा
पूर्व प्राध्यापक, दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर

- बिलासपुर शहर एक परिचय -

बिलासपुर छ.ग. राज्य के 27 जिलों में से एक है। बिलासपुर राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 111 कि.मी. उत्तर मे स्थित है। यह राज्य की न्यायधानी एवं प्रशासनिक दृष्टि से राज्य का दूसरा प्रमुख शहर है। बिलासपुर कृषि के क्षेत्र में चावल की विशेष किस्म (दुबराज, विष्णुभोग) आदि के लिये प्रसिद्ध है। यहाँ के हाथकरघा उद्योग से बनी कोसे की साड़ियाँ प्रसिद्ध हैं। यहाँ की स्थानीय संस्कृति में सुआनृत्य, भोजली, राउत नाचा, पोला इत्यादि प्रमुख रुप से मनाए जाते हैं। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ऊर्जा के क्षेत्र में बिलासपुर संभाग का देश मे एक महत्त्वपूर्ण स्थान है। इसके आसपास के क्षेत्रों में कई विद्युत गृहों में लगभग 10,000 से 15,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। पर्यटन के दृष्टिकोण से यहाँ शहर में अनेक स्थल हैं जिसमें विवेकानंद उद्यान, ऊर्जा पार्क, स्मृति वन, यातायात पार्क, बिलासा ताल आदि है। शहर के निकटतम दर्शनीय स्थल रतनपुर महामाया मंदिर, मल्हार, अमरकंटक, कानन पेण्डारी (मिनी जू), तालागाँव और चैतुरगढ़ प्रसिद्ध हैं।

शिक्षा की दृष्टि से बिलासपुर में राज्य के चार प्रमुख विश्वविद्यालय हैं इसके अतिरिक्त इंजी., चिकित्सा एवं कृषि महाविद्यालय स्थित हैं।

- मुख्य संरक्षक -

प्रो. बंश गोपाल सिंह
माननीय कुलपति
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

- संरक्षक -

डॉ. इंदु अनंत
कुलसचिव
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

- संयोजक -

डॉ. अनिता सिंह
31anitasingh@gmail.com
Mob. +91 9827118808

- सह संयोजक -

डॉ. प्रीतिरानी मिश्रा
preemishra07@gmail.com
Mob. +91 7017128494

- आयोजन सचिव -

डॉ. दीपक पाण्डेय
deepakpandey985@gmail.com
Mob. +91 9827955379

- आयोजन समिति के सदस्य -

डॉ. बीना सिंह
डॉ. प्रकृति जेम्स
डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति
श्री संजीव लवानियाँ
श्री रेशमलाल प्रधान
डॉ. एस.रुपेन्द्र राव
डॉ. पुष्कर दुबे

- आवागमन की सुविधा -

छ.ग. राज्य के सभी शहरों को जोड़ने के लिए यहाँ से बस सेवाऐं हैं व बिलासपुर रेल्वे स्टेशन छ.ग. के व्यस्ततम रेल मार्ग में से एक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे जोन का मुख्यालय बिलासपुर में स्थित है। बिलासपुर का हवाई अड्डा चकरभाठा में स्थित है किन्तु दैनिक हवाई सेवा के लिए निकटतम हवाई अड्डा रायपुर है।

- बिलासपुर आगमन -

बिलासपुर आगमन : बिलासपुर ट्रेन मार्ग से देश के सभी शहरों से जुड़ा है। यह हावड़ा-मुम्बई मुख्य मार्ग पर स्थित है। हवाई मार्ग हेतु नजदीक एयरपोर्ट रायपुर 130 किलोमीटर दूर है।

दो दिवसीय

राष्ट्रीय संगोष्ठी

15-16 अक्टूबर, 2019

विषय

महात्मा गाँधी के विचारों के संदर्भ में भारतीय सामाजिक विज्ञानों की सीमाओं, संभावनाओं तथा अवसरों की समीक्षा

प्रति,

.....

.....

.....

आयोजक

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

www.pssou.ac.in
pssoumgseminar@gmail.com

- विश्वविद्यालय के संदर्भ में -

मानव जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका अपरिहार्य है। मनुष्य के जीवन में आने वाली बाधाएँ, उसकी शैक्षिक पिपासा को सीमित न कर सके एवं मनुष्य की शैक्षिक उन्नति सदैव बनी रहे इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित शिक्षा-पद्धति की महती भूमिका है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्थित पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, भारत का 11वाँ राज्य मुक्त विश्वविद्यालय है इसकी स्थापना छत्तीसगढ़ शासन अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा की गयी है। यह अधिनियम 20 जनवरी 2005 में लागू हुआ। विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार, समाज सुधारक एवं छत्तीसगढ़ के गाँधी के रुप में विख्यात पण्डित सुन्दरलाल शर्मा जी की स्मृति को आलोकित कर रहा है।

विश्वविद्यालय 'स्वाध्यायः परम् तपः' के ध्येय वाक्य के साथ 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' मूल वाक्य को चरितार्थ करते हुए छात्र हित एवं विकास की ओर निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय के अन्तर्गत 07 क्षेत्रीय तथा एक उप क्षेत्रीय केन्द्र एवं 136 अध्ययन-केन्द्र संचालित हैं। विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर बिलासपुर लगभग 71 एकड़ में फैला हुआ है।

- संगोष्ठी के विषय में -

महात्मा गाँधी भारत वर्ष की विश्व को एक ऐसी देन है, जिसके समान कोई दुसरी विभूति नहीं है। उन्नीसवीं सताब्दी का यह ध्रुवतारा सामाजिक विज्ञान, अपितु वैश्विक मानव समाज को अपनी वैचारिक उर्जा से भर देने वाला ''महात्मा'' अपने असाधारण अवदान के लिए सदैव स्मरण किया जायेगा।

गाँधी चिंतक सीतारमैय्या जी का कहना है कि गाँधीवादी सिद्धांतों एवं मतों का, नियमों या व्यवस्थाओं का आदेशों एवं विषेधों का समुह नहीं है, वरन जीवनशैली है। यह जीवन ही जीवन के समस्याओं के प्रति एक नई धारणा का संकेत करता है, या किसी पुरानी धारणा की पुनः व्याख्या करता है, और वर्तमान समस्याओं के लिए पुरातन समाधान प्रस्तुत करता है (अवस्थी, के.पी., 2012-13).

गाँधी के चिंतन के विषय में मुख्यतः दो विचार-धाराएँ पायी जाती है। पहली समग्र मानव जाति से संबंधित थे, तथा सभी संप्रदाय एवं मत मतांतरों से ऊपर उठे हुए थे। दूसरी उनकी विचारधारा यह है कि उनके विचारों पर हिंदू धर्म का गहरा प्रभाव था और वे हिंदू धर्म के प्रति निष्ठावान थे (नारायण,जे.पी., 1988).

गाँधी जी को धार्मिकता अपने परिवार तथा वैष्णव पृष्ठभूमि अपनी माता से प्राप्त हुई थी। उन्होंने वेद, पुराण, उपनिषद्, गीता, वेदांत, रामायण आदि धर्म ग्रंथ से प्रेरणा प्राप्त की। उन्होंने भगवान राम को ऐतिहासिक पुरुष तथा अनादि ईश्वर दोनों रुपों में देखा किंतु वे ईसाई तथा मुस्लिम धर्म से भी अछूते नहीं रहे (नारायण,जे.पी., 1999).

- संगोष्ठी का उप-विषय-

- महात्मा गाँधी और भारत में सामाजिक विज्ञानों की शिक्षा एवं अनुसंधान।
- ज्ञान की सांस्कृतिक संबंधता / असंबंधता।
- समाज एवं सामाजिक विज्ञानों में स्वदेशी / विदेशीकरण।
- व्यक्तिगत जीवन की सापेक्ष जीवन का संबंधपूर्ण दर्शन।
- विचार एवं वास्तविकता की विविध आयाम : उपयोगिता / आदर्श एवं मूल्य / नैतिक एवं आचार संबंधी।
- समस्याओं की जड़ और समाज विज्ञान- गाँधी दर्शन :-
  - गाँधी जी एवं समाज दर्शन
  - गाँधी जी एवं ग्राम स्वराज
  - गाँधी जी का शिक्षा दर्शन
  - गाँधी जी की भाषा नीति
  - गाँधी जी का अर्थ दर्शन
  - गाँधी जी और कुटीर उद्योग
  - गाँधी जी और नारी सशक्तीकरण
  - गाँधी जी और दलित उद्धार
  - गाँधी जी के अहिंसा दर्शन की प्रासंगिकता
  - गाँधी जी की न्यास नीति
  - गाँधी जी से संबंधित अन्य विषय

- विशेष -

टी.ए. / डी.ए. एवं आवास व्यवस्था : प्रतिभागी अपनी यात्रा व्यय की व्यवस्था अपनी संस्थानों से करेंगे तथापि राष्ट्रीय संगोष्ठी में उनके भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जायेगी। आवास व्यवस्था हेतु प्रतिभागियों को पूर्व में सूचित करना होगा जिससे कि उनके लिए सशुल्क आवास व्यवस्था सुनिश्चित हो सके, अन्यथा आवास व्यवस्था उन्हें स्वयं करनी होगी।

- शोध-आलेख सारांश हेतु निर्देश -

इच्छुक प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे अपना शोध-आलेख सारांश (Abstract) अधिकतम 300 शब्दों में दिनाँक 5 अक्टूबर, 2019 तक pssoumgseminar@gmail.com पर भेजें।

शोध-आलेख सारांश एवं संपूर्ण शोध हेतु फॉन्ट साइज निम्नानुसार भेजें -

हिंदी हेतु	कृतिदेव 11	(Font Size-14)
अँग्रेज़ी हेतु	Times New Roman	(Font Size-12)

- शोध-आलेख सारांश उपरोक्त फॉन्ट के अलावा अन्य फॉन्ट में स्वीकार नहीं किए जाएँगे।
- आलेख सारांश भेजने की अंतिम तिथि : दिनाँक 5 अक्टूबर, 2019
- संपूर्ण शोध भेजने की अंतिम तिथि : दिनाँक 10 अक्टूबर, 2019

- पंजीयन-प्रक्रिया -

1. संगोष्ठी में सामान्य छात्र, शिक्षक, सामाजिक संस्थाएँ प्रतिभागी हो सकते है।
2. इच्छुक प्रतिभागी पंजीयन प्रपत्र, पंजीयन शुल्क के साथ दिनांक 10 अक्टूबर, 2019 तक जमा करना अनिवार्य होगा।
3. पंजीयन शुल्क नगद जमा करने की सुविधा विश्वविद्यालय मुख्यालय में 'महामाया परीक्षा एवं मूल्यांकन भवन' के कक्ष क्र. 08 में दिनांक 10 अक्टूबर, 2019 तक उपलब्ध रहेगी।
4. स्थल पंजीयन शुल्क नगद जमा करने की सुविधा विश्वविद्यालय में आयोजन स्थल के पंजीयन काउंटर में दिनांक 15 अक्टूबर, 2019 को उपलब्ध रहेगी।
5. स्थल पंजीयन कराने वाले प्रतिभागीयों को पंजीयन-किट प्रदान नहीं किया जावेगा। उन्हें केवल प्रमाण-पत्र प्रदान किया जावेगा।
6. ऑनलाइन एवं चालान द्वारा शुल्क जमा करने हेतु बैंक ऑफ बडौदा : खाता का नाम - National Seminar खाता क्र. 58100100001412 (IFSC - BARB0BIRKON में जमा कर सकते है।

पंजीयन शुल्क :

क्र.	पंजीयन शुल्क का विवरण	10 अक्टूबर तक	स्थल पंजीयन
1	प्राध्यापक गण / अन्य	800 / -	1000 / -
2	विद्यार्थी / शोधार्थी	600 / -	800 / -

- पंजीयन-पपत्र -

नाम : .....

पदनाम : ..... लिंग : .....

संस्थागत पता : .....

.....

.....

मोबा. : .....

ई-मेल : .....

शोध-पत्र का शीर्षक : .....

क्या आपको आवास की आवश्यकता है? हाँ / नहीं : .....

भुगतान की कुल राशि (रु.में) : .....

भुगतान का माध्यम (नगद / डिमांड ड्राफ्ट / चालान).....

रसीद क्र. ..... ड्राफ्ट क्र. ..... चालान क्र. .....

बैंक का नाम : ..... दिनांक : .....

हस्ताक्षर .....

भरा हुआ पंजीयन प्रपत्र सशुल्क पंजीयनकर्ता के पास जमा करायें। यदि आवश्यक हो तो पंजीयन फॉर्म की छायाप्रति का उपयोग पंजीयन हेतु किया जा सकता है। प्रतिभागीगण संगोष्ठी में पंजीयन के लिए पंजीयन प्रपत्र एवं चालान प्रारुप वेबसाइट www.pssou.ac.in से भी डाउनलोड कर सकते हैं।